भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
22.07.2015 को लोक सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 427
परमाणु ईंधन

427. श्री के.एन. रामचंद्रन:

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार की कोई योजना परमाणु ऊर्जा उत्पादन में भारी वृद्धि करने की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार के पास इसे सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त ईंधन है;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो कमी का ब्यौरा क्या है और ऐसे परमाणु ईंधन के आयात का ब्यौरा क्या है तथा किन देशों से इसे आयात किए जाने की संभावना है;

(घ) क्या सरकार को इन देशों से हमारी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए परमाणु ईंधन की आपूर्ति के लिए आश्वासन मिला है; और

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हाँ। सरकार ने जुलाई, 2014 में उस समय विद्यमान 4780 मेगावाट क्षमता को अगले दस वर्षों में (यानि वर्ष 2024 तक) तिगुना किए जाने की घोषणा की थी। स्वदेशी प्रौद्योगिकियों पर आधारित एवं विदेशी तकनीकी सहयोग दोनों ही तरह से और अधिक नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की स्थापना इस कार्यक्रम का भाग है।

(ख) तथा (ग) परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के अधीन एक संघटक यूनिट है, ने, यूरेनियम का सर्वेक्षण एवं अन्वेषण कार्य किया है, जिसके परिणामस्वरूप, जून, 2015 तक, 2,25,936 टन *स्व-स्थाने* U_3O_8 (1,91,594 टन यूरेनियम) के भंडारों का पता चला है। देश में, 5780 मेगावाट की स्थापित क्षमता वाले 21 नाभिकीय विद्युत रिएक्टर प्रचालनरत हैं। कुल 3380 मेगावाट स्थापित क्षमता वाले तेरह (13) रिएक्टर (रावतभाटा, राजस्थान स्थित 100 मेगावाट क्षमता वाला एक रिएक्टर, जोकि तकनीकी -आर्थिक मूल्यांकन के लिए विस्तृत शटडाउन की अवस्था में हैं, को छोड़कर), अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के सुरक्षोपायों के अधीन हैं तथा आयातित ईंधन पाने के हकदार हैं। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के सुरक्षोपायों के अधीन आने वाले रिएक्टरों के लिए ईंधन की आवश्यकता पूरी करने हेतु यूरेनियम के आयात के लिए मैसर्स नावोई माइनिंग एंड मैटालर्जिकल कॉम्बिनेट स्टेट कंपनी (एनएमएमसी), उजबेकिस्तान; मैसर्स जेएससी टीवीईएल कारपोरेशन, रूस; मैसर्स एनएसी कज़ाटॉमप्रॉम, कज़ाखिस्तान, तथा मैसर्स केमिको, कनाडा के साथ करारों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

कुल 2400 मेगावाट स्थापित क्षमता वाले आठ (8) रिएक्टरों में स्वदेशी ईंधन काम में लाया जाता है। सरकार ने नई खानें तथा पुनर्संसाधन सुविधाएं खोलकर, स्वदेशी यूरेनियम की आपूर्ति को बढ़ाने के प्रयास किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप स्वदेशी ईंधन का उपयोग करने वाले रिएक्टरों के लिए माँग-आपूर्ति के बीच का अंतर कम हो गया है। इसके फलस्वरूप, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों की क्षमता के उपयोग में उत्तरोत्तर सुधार परिलक्षित हुआ है।

(घ) तथा (ङ) यूरेनियम के आयात के संबंध में वर्ष 2015-2020 के दौरान, 2750-3000 मीटरी टन यूरेनियम अयस्क सांद्र की आपूर्ति के लिए, मैसर्स केमिको, कनाडा के साथ; और वर्ष 2015-2019 के दौरान 5000 मीटरी टन यूरेनियम अयस्क सांद्र की आपूर्ति के लिए मैसर्स कज़ाटॉमप्रॉम, कज़ाखिस्तान के साथ हाल ही में अनुबंधों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

****